आकाशवाणी केन्द्र शिमला

12.01.2026 / संजय / 11:00बजे

प्रादेशिक समाचार

प्रधानमंत्री युवा दिवस

आज स्वामी विवेकानंद की 163वीं जंयती है। देश भर में इसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में विकसित भारत यंग लीडर्स डॉयलांग 2026 के समापन सत्र में शामिल होंगे। मोदी अंतरराष्ट्रीय संगठनों के युवा प्रतिनिधियों सहित देश विदेश के करीब तीन हजार युवाओं से बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 10 जिलों से चुने गए 35 विद्यार्थी भी शामिल होंगे जहां इन विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री से मिलने का भी अवसर मिलेगा। आज आयोजित होने वाले कार्यक्रम में युवा प्रतिभागी प्रधानमंत्री के समक्ष विकसित भारत के निर्माण हेतु अपने विचार पेश करेंगे।

आगजनी

सोलन जिले के अर्की शहर में पुराने बस अडडे के समीप बीती रात एक आगजनी की घटना में करीब दो दर्जन दुकानें जलकर राख हो गई। इस घटना में अब तक एक आठ वर्षीय बच्ची की जलकर मृत्यु हो गई है जबकि अभी तक आठ अन्य लोगों के लापता होने के समाचार प्राप्त हुए हैं। बीती रात से ही आग बुझाने और लापता लोगों को ढूंढने के प्रयास जारी है। स्थानीय विधायक संजय अवस्थी ने आज सुबह घटनास्थल का जायजा लेने के बाद कहा कि अग्निशमन विभाग और प्रशासन की टीमें बचाव कार्य में लगी है जबकि एस डी आर एफ को भी सूचना दी गई है।

मुख्यमंत्री

भारत और भूटान के मैत्री संबंधों को सशक्त करने की दिशा में आज मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भूटान के प्रतिनिधिमंडल को औपचारिक रूप से 5 हजार चिलगोजा के पौधे भेंट करेंगे। यह न केवल दो देशों के बीच विश्वास व पर्यावरणीय साझेदारी को दर्शाता है बल्कि चिलगोजा के वृक्ष से भूटान में पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अजीविका को बल मिलेगा। चिलगोजा के वृक्ष जैव विविधता, मिटटी संरक्षण और जल संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इससे पहले भी हिमाचल ने भूटान को चिलगोजा के लगभग 50 किलोग्राम बीज भेंट किए हैं जिससे भूटान में चिलगोजा के संरक्षण व विस्तार को बल मिला है।

घृत पर्व

कांगड़ा जिला में बृजेश्वरी देवी मंदिर में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय घृत पर्व को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंदिर अधिकारी शिवाली ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र में आस्था के प्रतीक इस पर्व के लिए श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में लगभग 25 क्विंटल देसी घी चढ़ाया गया है। पुजारियों द्वारा घी को मक्खन में बदलने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मकर सक्रान्ति की रात्रि मां बृजेश्वरी की पिंडी और क्षेत्रपाल भगवान पर इस मक्खन का लेप चढ़ाकर श्रृंगार किया जाता है और श्रद्धालुओं द्वारा रात भर जगराते का आयोजन किया जाता है।

मौसम

प्रदेश में लंबे समय से मौसम की बेरूखी के चलते सूखे जैसे हालात बन गए हैं। इसका सीधा असर अब प्रदेश की सेब बागवानी पर भी नजर आने लगा है। शिमला जिले के बागवानों को अब सेब के लिए जरूरी चिलिंग आवर्स पूरे न होने का डर सताने लगा है। परेशानी में बागवान चिलिंग आवर्स पूरे करने के लिए सेब के पौधों पर कृत्रिम रूप से आइस जमाने का प्रयोग कर रहे हैं। बागवानों का कहना है कि वे इस बात से अंजान हैं कि इस प्रयोग का पौधों और सेब की फसल पर क्या प्रभाव पड़ेगा लेकिन मौसम से परेशान होकर बागवानी को बचाने के लिए उनके पास यही विकल्प नजर आ रहा है।